विषय : हिन्दी

कक्षा : आठवीं

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

(खण्ड-क)

प्र1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

'साँच बराबर तप नहीं' सूक्ति में सदा सत्य के महत्व को स्वीकारा गया है। सत्य के मार्ग पर चलना अपने आप में तप करने के समान है। सच का मार्ग सदैव कंटीला व कठिन होता है। 'सत्य' मानव हृदय के गौरव का प्रतीक है। तप वही कर सकता है जिसका हृदय साफ, निष्पाप व एकाग्रचित हो। सच बोलने वाला निडर, साहसी और नई सोच वाला होता है। उसके मुख का तेज कुछ अलग ही होता है। ऐसा व्यक्ति दूसरों के हृदय में अपनी जगह बना लेता है। सत्य का पालन करने के लिए सत्यवादी हरिश्चंद्र अपने पूरे जीवन को तपस्वी की तरह जीने पर मजबूर हुए। महात्मा गाँधी ने हमेशा सत्य की राह पर चलने की प्रेरणा दी है। तप और सत्य मिलकर मानव जीवन को विकास की ओर अग्रसर करते हैं। सत्य की प्राप्ति ही कठोरतम तपस्या है। यह संसार का वह श्रेष्ठ धर्म है जिसके बिना जीवन जीना कठिन होता है। सत्य अटल है। लाख झूठ भी उसके समक्ष टिक नहीं सकते। झूठ तो बुलबुले के समान होता है जिसका अस्तित्व क्षणिक होता है। झूठ सच के सामने बहुत छोटा साबित होता है। एक सच को छुपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं और अंत में सौ झूठों को भेदकर सच सामने आ ही जाता है। सच स्थायी और हमेशा अपनी जगह टिका रहनेवाला होता है। सत्य से व्यक्ति जितना मुँह मोड़ता है उसका झूठ पल-पल अपने आप सामने आता है। सत्य का मार्ग, तप का मार्ग कठिन अवश्य होता है परंतु कल्याणकारी ही होता है। सच से न केवल व्यक्ति बल्कि समाज और देश भी विकास करता है।

(क) सच का मार्ग कैसा होता है? (1)

(ख) कैसा व्यक्ति तप करने की शक्ति रखता है? (1)

(ग) सत्य बोलने वाले व्यक्ति की क्या विशेषता होती है? (1)

(घ) सच और झूठ में क्या अंतर है? (2)

प्र2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हम बरसें तो धरती पर हरियाली छाए, सब जीवों की प्यास बुझाएँ।
जंगल-जंगल बस्ती-बस्ती उमड़ते जाते, ताल-तलैया, नदी-सरोवर भरते जाते।
छमक-छमक जब खेलें बच्चे खुशी मिले अपार, हम भी उनके साथ बरसे मूसलाधार।
नदियाँ, सागर ही हमारे मात-पिता, सहेजो इन्हें इनमें हमारा भाग्य लिखा।
जब-जब भीषण गर्मी पड़ती हम जल जाएँ, संग पवन के धीरे-धीरे बनते जाएँ।
वृक्ष बढ़ाओ हरियाली तो घर है अपना, ये ना सूख जाएँ यही तो डर है अपना।
बनना और बरसना यही तो काम हमारे, खेले सूरज-चंदा सांझ सवेरे साथ हमारे।
कहीं मेघ मल्हार कहीं मेघदूत हैं हम, नृत्य मोर का और कोयल की कूक हैं हम।

(क) बादलों के बरसने से धरती पर क्या बदलाव आता है? (1)

(ख) बादलों को क्या देखकर प्रसन्नता होती है? (1)

(ग) नदी और सागर से बादलों का क्या नाता है? (1)

(घ) क्या सोचकर बादल भयभीत हो जाते हैं? (1)

(ङ) बादलों को आकाश में देख पक्षी क्या करते हैं? (1)

(खण्ड-ख)

प्र3. (क) निम्नलिखित वाक्यों में संरचना के आधार पर क्रिया रेखांकित कर भेद बताइए : (2)

(i) अर्चना उपन्यास लिखने लगी।

(ii) पुजारी ने नहाकर पूजा की।

(ख) निम्नलिखित वाक्य में निर्देशानुसार काल परिवर्तन कीजिए : (2)

(i) माली ने बगीचे से फूल तोड़े थे। (सामान्य वर्तमानकाल)

(ii) रमेश नए कपड़े खरीदेगा। (पूर्ण भूतकाल)

प्र4. (क) निम्नलिखित रिक्तस्थानों में अव्यय लगाकर वाक्य पूरे कीजिए : (2)

(i) रमा _____ सीता भी आएगी।

(ii) मैं विदेश गया था _____ शादी में न आ सका।

(iii) _____ यहाँ कितनी गंदगी है।

(iv) अच्छे चरित्र _____ जीवन बेकार है।

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया-विशेषण रेखांकित कर भेद बताइए :

(i) हमें प्रतिदिन व्यायाम करना चाहिए।

(ii) वह ध्यानपूर्वक पढ़ता है। (2)

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय छाँटकर लिखिए : (2)

(i) परिश्रमी व्यक्ति कभी असफल नहीं होते हैं।

(ii) छत्रपति शिवाजी ने कई बार मुगलों के दाँत खट्टे किए।

प्र5. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : (2)

(i) पार्क में ऊँचा-ऊँचा पेड़ था।

(ii) उसका प्राण निकल गया।

(ख) निम्नलिखित शब्द में उपसर्ग व प्रत्यय अलग करके लिखिए : (1)

उपकारी

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक उचित शब्द लिखिए : (1)

(i) उपभोग करने वाला

(ii) जिसका वर्णन न किया जा सके

(घ) निम्नलिखित मुहावरे का वाक्य में प्रयोग कीजिए : (1)

हाथ मलना

(खण्ड-ग)

प्र6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हम भिखमंगों की दुनिया में,
स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले,
हम एक निसानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले,
अब अपना और पराया क्या?
आबाद रहें रुकनेवाले!
हम स्वयं बंधे थे और स्वयं
हम अपने बंधन तोड़ चले।

(क) कवि ने भिखमंगा किसे और क्यों कहा है? (2)

(ख) दीवाने अपने हृदय पर कौन-सा बोझ लेकर चले जाते हैं? (2)

(ग) काव्यांश के कवि एवं भाषा का नाम बताइए। (1)

प्र7. (क) कविता 'सूर के पद' के आधार पर बताइए कि श्रीकृष्ण ग्वालन के घर से मक्खन किस प्रकार चुराया करते थे? (2)

(ख) आपने 'भगवान के डाकिए' कविता से क्या सीखा? (1)

(ग) कविता 'यह सबसे कठिन समय नहीं' की भाषा संबंधी विशेषताएँ लिखिए। (1)

प्र8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"कपड़े केवल अच्छा लगने के लिए नहीं, गवरइया बोली, "मौसम की मार से बचने के लिए भी पहनता है आदमी।" "तू समझती नहीं।" गवरा हँसकर बोला, "कपड़े पहन-पहनकर जाड़ा-गरमी-बरसात सहने की उनकी सकत भी जाती रही है। . . . और इस कपड़े में बड़ा लफड़ा है। कपड़ा पहनते ही पहनने वाले की औकात पता चल जाती है। आदमी-आदमी की हैसियत में भेद पैदा हो जाता है।" फिर भी कपड़ा पहनने से बाज नहीं आता।

(क) गवरइया को मनुष्य के कपड़े क्यों अच्छे लगते थे? (1)

(ख) मनुष्य के कपड़ों को लेकर गवरे के क्या विचार थे? (2)

प्र9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए : (3x2=6)

(क) साँप उड़ने की इच्छा को मूर्खतापूर्ण मानता था फिर भी उसने उड़ने की कोशिश की। क्यों? पाठ 'बाज और साँप' के आधार पर बताइए।

(ख) आजकल बहुत से समाचार-पत्र या समाचार चैनल दोषों का पर्दाफाश कर रहे हैं। पाठ 'क्या निराश हुआ जाए' के आधार पर इन समाचारों या कार्यक्रमों की सार्थकता पर तर्क सहित अपने विचार लिखिए।

प्र10. (क) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ बताइए : (2)

उजागर, शून्यता, वियोग, आक्रोश

(ख) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (2)

ईमानदारी, उत्साह

प्र11. पाठ 'टोपी' में गवरइया को रुई का फाहा मिला तो वह बहुत खुश हुई थी। वह फाहा लेकर किस-किस के पास गई और क्यों? क्या आपने कभी उत्साहित होकर कार्य किया है? उत्साह व जोश से भरकर कार्य करने में आपको कैसा अनुभव हुआ?

अथवा

आपने पाठ 'क्या निराश हुआ जाए' पढ़ा है जिसमें हमारे महान मनीषियों ने एक स्वतंत्र व शिक्षित देश के सपने देखे थे। आप आज के छात्र और भविष्य के नागरिक होने के नाते अपने देश के विकास के लिए क्या-क्या कदम उठाएँगे? (3)

प्र12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर में दीजिए : (2x3=6)

(क) बस में मामाजी के साथ क्या घटना घटी थी? कहानी 'प्यारी छतरी' के आधार पर बताइए।

(ख) मामाजी को बहरूपियेपन की सनक क्यों सवार हुई थी? कहानी 'बहरूपियेपन की सनक' के आधार पर लिखिए।

(ग) पहलवान ने मामाजी को क्या हिदायत दी थी? कहानी 'मूँछ बढ़ा के' के आधार पर लिखिए।

प्र13. 'प्यारी छतरी' कहानी में मामाजी ने प्रतिभा की सहायता कैसे की थी? आपके किसी शौक से क्या किसी को लाभ या नुकसान पहुँचा है? अपने अनुभव के आधार पर लिखिए।

अथवा

कहानी 'बहरूपियेपन की सनक' में गौरव व संजू मामाजी की वेशभूषा देखकर हैरान क्यों हो गए थे? क्या आपने कभी वेशभूषा बदलकर अभिनय किया है? ऐसा करते हुए आपको कैसा लगा? (4)

(खण्ड-घ)

प्र14. परीक्षा में कम अंक आने पर छात्र/छात्रा एवं अध्यापिका की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए। (4)

प्र15. चित्रकारी के लिए रंगीन पेंसिलों का सुंदर एवं आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। (3)

प्र16. नीचे दिए गए चित्र को देखकर 25-30 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। (3)

प्र17. आपके क्षेत्र में डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियाँ फैली हुई हैं। इसकी सूचना देते हुए तथा रोगों की रोकथाम हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

अथवा

आजकल संचार माध्यमों की लोकप्रियता बढ़ गई है जिसके कारण पत्र लेखन पीछे छूट गया है। पत्र लेखन का महत्व बताते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। (5)

प्र18. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए। (5)

(क) मेरा प्रिय त्योहार

(ख) छुट्टियों का सदुपयोग

(ग) प्रकृति की रक्षा, मानव की सुरक्षा